Sem. 3 (MIC)

Q अंतर्राष्ट्रीय व्यापार एवं विश्व व्यापार संगठन (WTO)

(1.) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का अर्थ :-

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार से तात्पर्य दो या दो से अधिक देशों के बीच वस्तुओं और सेवाओं के क्रय - विक्रय से है। जब कोई देश अपनी आवश्यकता से अधिक उत्पादन करता है और उसे दूसरे देशों को बेचता है, या अपनी कमी को पूरा करने के लिए दूसरे देशों से वस्तुएँ मँगाता है, तो उसे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार कहते हैं।

उदाहरण के लिए, भारत कपास, चाय और आईटी सेवाएँ निर्यात करता है, जबकि कच्चा तेल और मशीनरी आयात करता है।

(2) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की आवश्यकता :-

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार की आवश्यकता निम्न कारणों से होती है —

(i) प्राकृतिक संसाधनों का असमान वितरण
(ii) जलवायु और भौगोलिक परिस्थितियों में भिन्नता
(iii) तकनीकी और औद्योगिक विकास का अंतर
(iv) उत्पादन लागत में अंतर
(v) उपभोक्ताओं की बढ़ती आवश्यकताएँ

vivo Y02
Feb 04, 2026, 11:30

(3.) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के प्रकार :-

(i) आयात :-
विदेशी देशों से वस्तुओं को और सेवाओं को खरीदना।

(ii) निर्यात :-
देश में उत्पादित वस्तुओं को विदेश में बेचना।

(iii) पुनः निर्यात :-
आयातित वस्तुओं का प्रसंस्करण के बाद या बिना प्रसंस्करण के किसी अन्य देश को निर्यात करना।

(4.) अंतर्राष्ट्रीय व्यापार का महत्व :-
देशों के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ता है। विदेशी मुद्रा अर्जन में सहायक। औद्योगिक और तकनीकी विकास को बढ़ावा, रोजगार के अवसर बढ़ते हैं। वैश्विक बाजार का विस्तार।

* विश्व व्यापार संगठन का अर्थ :-
विश्व व्यापार संगठन एक अंतर्राष्ट्रीय संगठन है, जिसकी स्थापना 1 January 1995 को हुई। इसका मुख्य उद्देश्य अंतर्राष्ट्रीय व्यापार को सुगम स्वतंत्र और निष्पक्ष बनाना है। WTO ने GATT का स्थान लिया।

vivo Y02
Feb 04, 2026, 11:30

* WTO के उद्देश्य :-
→ व्यापार बाधाओं को कम करना
→ सदस्य देशों के बीच व्यापार विवादों का समाधान
→ विकासशील देशों के हितों की रक्षा।
→ मुक्त और निष्पक्ष व्यापार को बढ़ावा देना।
→ व्यापार नियमों को पारदर्शी बनाना।

* WTO के प्रमुख कार्य :-
→ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार समझौतों का संचालन
→ व्यापार नीतियों की निगरानी
→ विवाद निपटान तंत्र
→ तकनीकी सहायता और प्रशिक्षण
→ व्यापार वार्ताओं के लिए मंच प्रदान करना।

* WTO के प्रमुख समझौते :-
GATT → वस्तुओं का व्यापार
GATS → सेवाओं का व्यापार
TRIPS → बौद्धिक संपदा अधिकार
TRIMS → व्यापार से संबंधित निवेश उपाय

* WTO का महत्व :-
→ वैश्विक व्यापार में स्थिरता
→ छोटे और विकासशील देशों को मंच
→ व्यापार नियमों में समानता
→ आर्थिक वैश्वीकरण को बढ़ावा देना।

vivo Y02
Feb 04, 2026, 11:30

* WTO की आलोचना :-

→ विकासशील देशों पर विकसित देशों का दबाव
→ कृषि सब्सिडी का मुद्दा
→ गरीब देशों के हितों की अनदेखी
→ बहुराष्ट्रीय कंपनियों को अधिक लाभ

* निष्कर्ष :-

अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और WTO वैश्विक अर्थव्यवस्था के महत्वपूर्ण स्तंभ हैं। जहाँ अंतर्राष्ट्रीय व्यापार देशों को जोड़ता है, वहीं WTO व्यापार को नियमबद्ध और संतुलित बनाने का प्रयास करता है।

vivo Y02
Feb 04, 2026, 11:30